गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा एवं साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम : स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम : HIN-507

पाठ्यक्रम का शीर्षक : नाटक एवं रंगमंच

श्रेयांक : 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	नाटक एवं रंगमंच से परिचित होना अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• नाटक के विकासक्रम का अध्ययन कराना। • रंगमंच के विकासक्रम का अध्ययन कराना। • भारतेंदु एवं अन्य नाटककारों के समकालीन परिवेश से अवगत कराना। • हिंदी नाटकों के कला एवं भाषिक पक्ष का अध्ययन कराना।	
पाठ्य विषय	**1. नाटक एवं रंगमंच :** स्वरूप एवं परंपरा का विकास। • संस्कृत नाट्य परंपरा। • मध्ययुगीन लोकनाट्य परंपरा। • स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक एवं रंगमंच। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक एवं रंगमंच।	**15**
	2. निर्धारित नाटक • भारतेंदु हरिश्चंद्र : अंधेर नगरी	**06**
	• जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त	**08**
	• मोहन राकेश : आधे-अधूरे	**08**
	• शंकर शेष : एक और द्रोणाचार्य	**07**

	• भीष्म साहनी : माधवी	**08**
	• असग़र वजाहत : जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ	**08**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) प्रसाद, जयशंकर. चंद्रगुप्त. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011. 2) राकेश, मोहन. आधे-अधूरे. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990. 3) वजाहत, असग़र. जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ. वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2010. 4) शेष, शंकर. एक और द्रोणाचार्य. अभिनव प्रकाशन, मुंबई, 1978. 5) साहनी, भीष्म. माधवी, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2017. 6) हरिश्चंद्र, भारतेंदु. अंधेर नगरी. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2009.	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) ओझा, डॉ॰ दशरथ. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 2017. 2) ओझा, डॉ॰ मांधाता, सरदाना, डॉ॰ शशि. नाटक: नाट्य-चिंतन और रंग प्रयोग, कलामंदिर दिल्ली, 2003. 3) कुमार, सिद्धनाथ. नाट्यालोचन के सिद्धांत, वाणी, नई दिल्ली 2004. 4) गौतम, विकल. हिंदी नाटक : रंग, शिल्प, दर्शन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013. 5) चंदेर, डॉ॰ नाट्यचिंतन: नए संदर्भ, साहित्य रत्नाकर, कानपुर, 1987. 6) चातक, गोविंद. आधुनिक हिंदी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश, जगतपुरी, प्रकाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा॰ लि॰ नई दिल्ली, 2003. 7) चातक, गोविंद. हिंदी नाटक इतिहास के सोपान, तक्षशिला, नई दिल्ली, 2002. 8) जैन, नेमिचंद्र. मोहन राकेश के संपूर्ण नाटक (संपादन). कश्मीरी गेट, राजपाल ऐंड सन्स, प्रकाशन दिल्ली, 1976.	

	9) जैन, नेमिचंद्र. रंग परंपरा भारतीय नाट्य में निरंतरता और बदलाव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996. 10) डॉ॰ अज्ञात. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1997. 11) तनेजा, जयदेव. आधुनिक भारतीय रंगलोक, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2006. 12) तनेजा, जयदेव. समसामयिक हिंदी नाटको में चरित्र सृष्टि, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 1971. 13) त्रिपाठी, डॉ॰ वशिष्ठ नारायण. भारतीय लोकनाट्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2001. 14) परमार, श्याम. लोकधर्मी नाट्य परंपरा, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 1956. 15) प्रसाद, डॉ॰ प्रसून. मोहन राकेश के नाटक : एक मूल्यांकन, आधार प्रा॰ लि॰ हरियाणा, 2008. 16) प्रेमलता. आधुनिक हिंदी नाटक और भाषा की सृजनशीलता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993. 17) रस्तोगी, गिरीश. मोहन राकेश और उनके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1975. 18) रस्तोगी, डॉ॰ गिरीश. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना, साहित्य अकादेमी, हरियाणा, 1990. 19) राकेश. अनीता, सतरें और सतरें, राधाकृष्ण, प्रा॰ लि॰ दिल्ली, 2002. 20) रानी, डॉ॰ गुरदीप. मिथक सिद्धांत और स्वरूप, बुकमार्ट पब्लिशर्स, दिल्ली, 2009. 21) राय, डॉ॰ नरनारायण. रंगशिल्पी मोहन राकेश, कादंबरी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1991. 22) सिंह, डॉ॰ राजेश्वरप्रसाद. मोहन राकेश का नाट्यशिल्प: प्रेरणा एवं स्रोत, अमित प्रकाशन, ग़ाज़ियाबाद, 1992.	
अधिगम परिणाम	• नाटक के विकास से परिचित होंगे। • रंगमंच के विकास से परिचित होंगे। • नाटककारों के समकालीन परिवेश से अवगत होंगे। • हिंदी नाटकों के कला एवं भाषिक पक्ष से अवगत होंगे।	